भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या: 298
गुरुवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु हेतु आरसीएस-उड़ान योजना

*298. **श्री नवसकनी के.:**
श्री जी. सेल्वमः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)- उड़ान के विभिन्न चरणों के तहत तमिलनाडु में कई मार्ग संचालित किए गए हैं जिससे राज्य भर में क्षेत्रीय विमान सेवा में सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु के टियर-2 और टियर-3 शहरों में इन मार्गों का यात्री यातायात, पर्यटन, व्यावसायिक गतिशीलता और क्षेत्रीय आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) राज्य में क्षेत्रीय विमानपत्तन अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है तथा ऐसे विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है जहां विकास कार्य पूरे हो चुके हैं और लाइसेंसिंग के अंतिम चरण में हैं;

(घ) क्या 2024 में शुरू की गई उड़ान 5.4 योजना का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से बंद या समाप्त किए गए मार्गों को पुनः बहाल करना है और यदि हां, तो तमिलनाडु में चिह्नित या पुनः बहाल किए गए ऐसे मार्गों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार इस योजना के भावी चरणों के अंतर्गत तमिलनाडु में क्षेत्रीय हवाई संपर्क सेवा का और विस्तार करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"तमिलनाडु हेतु आरसीएस-उड़ान योजना" के संबंध में श्री नवसकनी के. और श्री जी. सेल्वम द्वारा पूछे गए दिनांक 12.03.2026 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 298 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ङ): दिनांक 28.02.2026 तक, क्षेत्रीय संपर्क योजना- उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के तहत तमिलनाडु में 26 मार्गों सहित देशभर में 663 मार्ग कार्यशील किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में, चार हवाईअड्डों नामतः सेलम, वेल्लोर, नेवेली और तंजौर को विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए चिह्नित किया गया है। सेलम हवाईअड्डे को 24.44 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया था और इसे 'उड़ान' योजना के तहत प्रचालनरत किया गया था। वेल्लोर और नेवेली के संबंध में लाइसेंसिंग प्रक्रिया और समग्र प्रचालन संबंधी तैयारी प्रक्रियाधीन हैं। तंजौर हवाईअड्डे के विकास के लिए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने तमिलनाडु सरकार से हवाईअड्डे तक सीधा और प्रत्यक्ष पहुंच मार्ग प्रदान करने का अनुरोध किया है, क्योंकि मौजूदा भूमि क्षेत्र का राष्ट्रीय राजमार्ग से कोई सीधा संपर्क नहीं है। राज्य सरकार द्वारा यह भूमि अभी प्रदान की जानी है।

इसके अतिरिक्त, त्रिची, तूतीकोरिन, कोयम्बटूर, चेन्नई और मदुरै हवाईअड्डों पर आधुनिकीकरण और अवसंरचना विस्तार का कार्य किया गया है। इसका विवरण अनुलग्नक में संलग्न है।

इसके अलावा, मदुरै हवाईअड्डे को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा घोषित किया गया है।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा अगस्त 2024 में प्रारंभ की गई 'उड़ान' 5.4 में पहले रद्द किए गए मार्गों का पुनरुद्धार किया, जिन्हें पुनः बोली प्रक्रिया के लिए चिह्नित किया गया था। इनमें वे मार्ग शामिल हैं जिनमें परिचालन आरंभ नहीं किया जा सका, जो अपने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके या जो तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक वर्ष तक असेवित बने रहें। 'उड़ान' 5.4 के तहत, तमिलनाडु राज्य को जोड़ने वाले कोई भी आरसीएस मार्ग पुनः बोली प्रक्रिया के लिए पात्र नहीं थे।

'उड़ान' योजना ने संपर्क और पहुंच में सुधार करके, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा देकर, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाकर और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करके असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों को सुदृढ़ किया है।

सरकार ने अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए देशभर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क का विस्तार करने हेतु संशोधित 'उड़ान' योजना की घोषणा की है।

अनुलग्नक

तमिलनाडु में हवाईअड्डों पर अधुनिकीकरण कार्य का ब्यौरा

क्रम संख्या	हवाईअड्डा	व्यय	किए गए कार्य का विवरण
1	त्रिची	1,162.9 करोड़	नए टर्मिनल भवन और सरफेस कार पार्किंग का निर्माण तथा संबंधित कार्य पूरे हो गए हैं।
2	तूतीकोरिन	318.16 करोड़	तीन एयरोब्रिजों, एटीसी टावर-सह-तकनीकी ब्लॉक, श्रेणी-7 अग्निशमन स्टेशन और संबंधित कार्यों सहित नए घरेलू टर्मिनल भवन का निर्माण। ब्लास्ट पैड, आरईएसए, टैक्सीवे, एप्रन, जीएसई एरिया, आइसोलेशन-बे और अन्य संबंधित कार्यों सहित रनवे का विस्तार।
3	कोयंबटूर	63.31 करोड़	अतिरिक्त एप्रन के निर्माण और रनवे रीसरफेसिंग का कार्य पूरा हो गया है।
4.	चेन्नई	1,640.87 करोड़	चेन्नई हवाईअड्डा, चरण-II, भाग-1 (टर्मिनल 2) के आधुनिकीकरण का कार्य पूरा हो गया है। चेन्नई हवाईअड्डे पर प्लाज़ा, पिक-अप लेन और सहायक सुविधाओं सहित सिटी साइड यातायात प्रवाह प्रबंधन का विकास कार्य। लिंक टैक्सी, आंशिक रनवे रीसरफेसिंग सहित टैक्सी ट्रैक का पुनर्निर्माण और सुदृढीकरण। चेन्नई हवाईअड्डे पर एमएलसीपी का निर्माण।
5.	मदुरै	98.84 करोड़	नए एटीसी-सह-तकनीकी ब्लॉक के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

******